

क्रमांक : प. 3(28)नविचि/3/96 जायपुर, दिनांक 25 मई, 2000

परिपत्र

विषय:- गृ-उपयोग परिवर्तन के संबंध में।

राज्य के विभिन्न जिला वडोदरों/संभागीय आयुवतों द्वारा गृ-उपयोग परिवर्तन के बारे में नगर विकास न्यास क्षेत्रों के लिये निर्देश दिए जा रहे हैं। इस संबंध में स्थिति निम्न प्रकार स्पष्ट वर्णीय है :-

1. धारा 73(बी) राजरथान नगर रुद्धार न्यास अधिनियम के तहत गृ-उपयोग परिवर्तन के संबंध में संशोधन विचाराधीन है। अतः राजरथान नगर पालिका(गृ-उपयोग परिवर्तन) नियम, 2000 जिनका राजपत्र में प्रकाशन किया गया था, 2000 को हुआ है, नगर विकास न्यास क्षेत्रों में भी निम्न संशोधनों के साथ प्रभावी होगे। उन्होंने छाया प्रति संलग्न प्रेषित की जा रही है।
2. उपरोक्त नियमों के नियम 5(1)(ड.) में राज्य संचिय, नगर रुद्धार न्यास संचिव होंगे। इसी अनुरूप राज्य सत्रीय नियमिति में नियम 5(1)(घ.) में ज्ञानीय, नगर रुद्धार न्यास राज्य संचिव होंगे। इसके अलावा नियम 5 (1)(ख.) में गिरेशक रथानीय नियम संघाग के स्थान पर उप शासन संचिव — प्रथम, नगरीय विकास विभाग सदस्य होंगे।
3. गृ-उपयोग के परिवर्तन के प्रकरणों में न्यास के योजना क्षेत्रों तथा नगरपालिका सीमा के बाहर के क्षेत्रों में गृ-उपयोग परिवर्तन का कार्य साम्बन्धित न्यास द्वारा किया जावेगा। नगरपालिका सीमा क्षेत्र में नगरपालिका/ परिषद द्वारा न्यास की ऐसी योजनाओं जो उन्हें हरतात्तरित नहीं हुई हैं को छोड़ते हुए गृ-उपयोग परिवर्तन विभाग द्वारा। इन प्रकरणों में प्राप्त राशि "गृ-उपयोग द्वारा दी जायानीय राशि/ परिषद/ नियम/ पालिका में उगा करवाई जावेगी।
4. गृ-उपयोग परिवर्तन के ऐसे प्रकरण जिनमें जिम्मेदारी वार्ता वार्ता सार्टर प्लान / मार्टर प्लान के उपयोग के विपरीत दिनांक अप्रैल, 2000 तक कर लिया गया है, उनमें गृ-उपयोग परिवर्तन :

(१६)

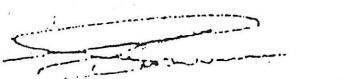
2

संबंधित समिति को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने की अंतिम हिति 30. 9.2000 तक होगी। इस उपर्युक्त सामाजिक संघ से गुलाम देश राष्ट्र। जाना करवाने पर 5 प्रतिशत की छूट दी जायेगी। ऐसे आवेदन पत्र प्राप्त होने के पश्चात संबंधित समितियों द्वारा गृह-उपयोग परिवर्तन के संबंध में दिनांक 4 अप्रैल, 2000 तरीं अधिसूचना के प्रावधानों के अनुरूप परीक्षण कर उद्दित निर्णय हिता जाएगा।

(श्री. एस. रामेश)
शासन राज्यिक

प्रिलिपि निम्न दो आवश्यक कार्यवाही ऐसु भेजित हैं :—

1. प्रमुख सचिव, श्री. मुख्य मंत्री भष्टोदय, राजस्थान, जायपुर।
2. विशिष्ट राजायाधि, श्री. मंत्री भष्टोदय, नगरीय विकास विभाग।
3. निजी सचिव, श्री. राज्य मंत्री, नगरीय विकास विभाग।
4. समर्पित संभागीय ओयुक्त।
5. संबंधित जिला कलेजर।
6. निदेशक, स्वायत्त शासन विभाग।
7. मुख्य नगर नियोजक, राजस्थान, जायपुर।
8. समर्पित सचिव, नगर सुधार न्यास।
9. रक्षित पत्रावली।


— शासन सप राज्यिक